

Q. 10. राष्ट्रपति के रूप में थोडर सजवेल् का ब्रह्मांकन करें -

थोडर सजवेल् सजवेल् के संबंध में इतिहासकार डॉ. जे. आर. कारबले ने कहा है कि "अमेरिकी राष्ट्र की पहली बार ऐसा राष्ट्रपति मिला जिसने यूरोप के शासक अपने में ले ही एक समझते थे और जो उनका खेल उनके ही शस्त्रों से खेल सकता था।"

सजवेल् शांति का समर्थक था वह किसी भी विवाद को शांति के साथ निपटारा चाहता था। अफ्रीका का कश्मकश पड़ने पर ही शांति का उपयोग करता था। उसके शासन काल में 1907 ई. तक अमेरिका का एक विश्व शांति के रूप में उदय हो गया था। उसके प्रयासों से अमेरिकी की मिली गणतन्त्र विश्व के शांति शाली राष्ट्रों में से हो गई तथा थोडर सजवेल् ने शांति और सहिष्णुता सभी को प्राप्त किया।

राष्ट्रपति सजवेल् ने अमेरिकी को शक्तिशाली बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहा था वह अमेरिका में लिबर के बाद पहला शांति और महत्वकांक्षी निरंतर राष्ट्रपति बना था।

सजवेल् अपने राष्ट्रपति शासन काल में शांति स्थापित करने के लिये तथा यूरोप के कई देशों के मध्य विवादों का समाधान करने के लिए उसने 1899 ई. में पहली बार हेग में द्विराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें विश्व के लगभग 26 राष्ट्रों ने भाग लिया था। उसके बाद 1907 ई. में दूसरा सम्मेलन हुआ जिसमें विश्व के लगभग 44 राष्ट्रों ने भाग लिया। इसमें विवादों को निपटारने के लिए एक अंतराष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना की गयी। वर्ष 1902 से 1917 ई. के मध्य 17 विवादों का समाधान किया गया जिसकी पटल सजवेल् के प्रयासों से हो चुकी थी।

जापान तथा रूस के मध्य समझौता समाधान करने के फलस्वरूप राष्ट्रपति थोडर सजवेल् को 1906 ई. में शांति का प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

थोडर सजवेल् की सबसे बड़ी उपलब्धि राष्ट्र की समस्त समस्याओं का समाधान करने के लिये लोगों को सफल बनाना था। सजवेल् ने राष्ट्रपति पद की गरिमा को लोगों के लिये हर संभव प्रयास किया जिससे वह सामल रहे।